चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक 17.1.2021 पृष्ठ संख्या....3....कॉलम....3-6....

जीवन को सुविधाजनक बनाती है भौतिकी

स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक की कृषि में उपयोगिता विषय पर वेबिनार का आयोजन किया

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक का कृषि में उपयोगिता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। इसमें कुलपति प्रो समर सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य यह है कि आवश्यक कार्यों को सुनिश्चित करने वाली पदार्थों का चयन कैसे किया जाए। पदार्थ का लक्षण वर्णन हमें न केवल सर्वोत्तम पदार्थ प्राप्त करने की अनुमति देता है बल्कि इसके विकास के दौरान इसकी सीमाओं और बाधाओं को दूर करने की भी अनुमति देता है।

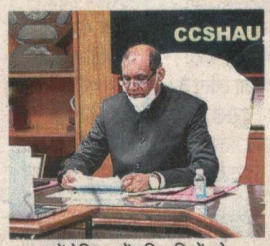

एचएयू में वेबिनार में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

500 प्रतिभागियों ने कराया वेबिनार में पंजीकरण

300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए वेबिनार में

स्मार्ट पदार्थों की दी जानकारी

बेंगलुरु की एयरस्पेस प्रयोगशाला से वरिष्ठ विज्ञानी डा. अंजना जैन ने स्मार्ट पदार्थ और उनके उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए पीजो-इलेक्ट्रिक क्रोमो-एक्टिव एवं फोटो-एक्टिव ग्राफीन जैसे नोवल और स्मार्ट पदार्थों का वर्णन किया। अन्य वक्ताओं ने भौतिकी में स्मार्ट पदार्थों को पहचाने और उनके गुणों को बताने के लिए उपकरणों पर विचार विमर्श किया। वक्ताओं के अनुसार स्मार्ट पदार्थों का अनूठी विशेषताओं के कारण इनका इंजीनीयरिंग और चिकित्सा में व्यापक प्रयोग हैं। ये सभी विशेषताएं कृषि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में भी बहुत उपयोगी हैं जिनमें कृषि मौसम विज्ञान, मृदा विज्ञान जैव प्रोद्यौगिकी आदि शामिल हैं।

डा. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का किया जोरदार स्वागत

विभागाध्यक्ष डा. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि इस वेबिनार के लिए लगभग 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया। 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभाग की प्रोफेसर डा. रीटा दहिया व सहायक प्रोफेसर डा. विनय कुमार ने किया। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 17.1.2021....पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....3-6.....

स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक की कृषि में उपयोगिता विषय पर वैबिनार

जीवन को सुविधाजनक बनाती है भौतिकी : कुलपति प्रोफैसर समर सिंह

हिसार, 16 जनवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। विवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में 'स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक' का कृषि में उपयोगिता विषय पर कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य यह है कि आवश्यक कार्यों को

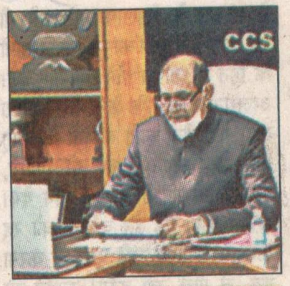

वैबिनार के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

सुनिश्चित करने वाली पदार्थों का चयन कैसे किया जाए। इस मौके पर एयरस्पेस प्रयोगशाला, बेंगलुरू से

500 से अधिक प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि इस वेबिनार के लिए लगभग 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया और 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रीटा दहिया व सहायक प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने किया। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अंजना जैन ने स्मार्ट पदार्थ और उनके उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए पीजो-इलेक्ट्रिक क्रोमो-एक्टिव एवं फोटो-एक्टिव ग्राफीन जैसे नौवल और स्मार्ट पदार्थों का वर्णन किया। अन्य वक्ताओं ने भौतिकी में स्मार्ट पदार्थों को पहचाने और उनके गुणों को बताने के लिए उपकरणों पर विचार विमर्श किया।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार की सराहना की और सहायक प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने सभी का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक 17.1.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम...1-4.....

विचार

स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक की कृषि में उपयोगिता विषय पर वेबिनार आयोजित

जीवन को सुविधाजनक बनाती है भौतिकी : प्रो. सिंह

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है, लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य आवश्यक कार्यों को सुनिश्चित करने वाले पदार्थों का चयन है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक का कृषि में उपयोगिता विषय पर शनिवार को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

एयरस्पेस प्रयोगशाला बंगलूरू से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अंजना जैन ने स्मार्ट पदार्थ और उनके

वेबिनार में भाग लेते कुलपति प्रो. समर सिंह।

उपयोग के बारे में जानकारी दी। अन्य वक्ताओं ने भौतिकी में स्मार्ट पदार्थों को पहचानने और उनके गुणों को बताने के लिए उपकरणों पर विचार रखे। विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया और 300 से अधिक प्रतिभागी इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभाग की डॉ. रीटा दहिया व डॉ. विनय कुमार ने किया।

खेती के साथ पशुपालन भी करें : प्रो. पंवार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में शनिवार को अनुसूचित जाति के किसानों के लिए डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। केंद्र के कोऑर्डिनेटर व प्रशिक्षण आयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) से प्रो. प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरी व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यावसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर जानकारी दी। प्रो. पंवार ने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। कोरोना महामारी के चलते लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सरप्लस दूध को विभिन्न वैल्यू एडिड दुग्ध उत्पाद (पनीर, योगर्ट, दही, खोया, घी, लस्सी, रायता आदि) में बदलकर अच्छी आय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. नरेंद्र सिंह ने आह्वान किया कि यहां से अर्जित ज्ञान का वे अधिक से अधिक लाभ उठाएं। ऑनलाइन प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागियों के दो बैच शामिल हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पँजाब केसरी.....

दिनांक 17.1.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

'स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण-वर्णन तकनीक की कृषि में उपयोगिता विषय पर वैबिनार आयोजित'

हिसार, 16 जनवरी (ब्यूरो): कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है, लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य यह है कि आवश्यक कार्यों को सुनिश्चित करने वाली पदार्थों का चयन कैसे किया जाए। पदार्थ का लक्षण वर्णन हमें न केवल सर्वोत्तम पदार्थ प्राप्त करने की अनुमति देता है, बल्कि इसके विकास के दौरान इसकी सीमाओं और बाधाओं को दूर करने की भी अनुमति देता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो.समर सिंह ने व्यक्त किए। वे मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में 'स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक' का कृषि में उपयोगिता विषय पर आयोजित 2 दिवसीय अंतराष्ट्रीय वैबिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

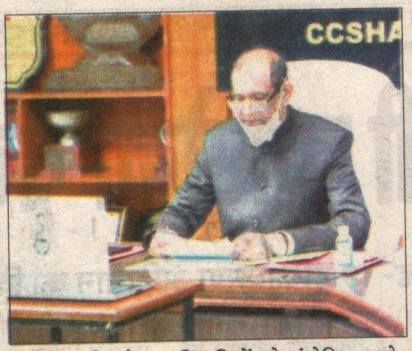

वैबिनार के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

उन्होंने कहा कि भौतिकी विज्ञान का हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोल है, परंतु कृषि में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पदार्थ विज्ञान, भौतिकी के विशिष्ट क्षेत्र में से एक है, जिसका उपयोग पदार्थों के भौतिक गुणों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। एयरस्पेस प्रयोगशाला, बेंगलुरू से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अंजना जैन ने स्मार्ट पदार्थ और उनके उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए पीजो-इलैक्ट्रिक क्रोमो-एक्टिव एवं फोटो-एक्टिव ग्राफीन जैसे नौवल और स्मार्ट पदार्थों का वर्णन किया। अन्य वक्ताओं ने भौतिकी में स्मार्ट पदार्थों को पहचाने और उनके गुणों को बताने के लिए उपकरणों पर विचार विमर्श किया। विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने बताया कि इस वैबिनार के लिए लगभग 500 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया और 300 से अधिक प्रतिभागी इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन भौतिकी विभाग की प्रो.डॉ. रीटा दहिया व सहायक प्रो. डॉ. विनय कुमार ने किया। वैबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**16.01.2021**	--	--

जीवन को सुविधाजनक बनाती है भौतिकी : वीसी

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य यह है कि आवश्यक कार्यों को सुनिश्चित करने वाली पदार्थों का चयन कैसे किया जाए। पदार्थ का लक्षण वर्णन हमें न केवल सर्वोतम पदार्थ प्राप्त करने की अनुमति देता है बल्कि इसके विकास के दौरान इसकी सीमाओं और बाधाओं को दूर करने की भी अनुमति देता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में 'स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक' का कृषि में उपयोगिता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**17.01.2021**	--	--

जीवन को सुविधाजनक बनाती है भौतिकी : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 17 जनवरी : कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य यह है कि आवश्यक कार्यों को सुनिश्चित करने वाली पदार्थों का चयन कैसे किया जाए। पदार्थ का लक्षण वर्णन हमें न केवल सर्वोतम पदार्थ प्राप्त करने की अनुमति देता है बल्कि इसके विकास के दौरान इसकी सीमाओं और बाधाओं को दूर करने की भी अनुमति देता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में 'स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन

तकनीक' का कृषि में उपयोगिता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय वेबिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भौतिकी विज्ञान का हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोल है परंतु कृषि में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पदार्थ विज्ञान, भौतिकी के विशिष्ट क्षेत्र में से एक है जिसका उपयोग पदार्थो के भौतिक गुणों का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**16.01.2021**	--	--

जीवन को सुविधाजनक बनाती है भौतिकी : प्रोफेसर समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। कृषि हमारे जीवन के लिए भोजन उपलब्ध कराती है लेकिन भौतिकी इस जीवन को सुविधाजनक बनाती है। भौतिक विज्ञान का मौलिक उद्देश्य यह है कि आवश्यक कार्यों को सुनिश्चित करने वाली पदार्थों का चयन कैसे किया जाए। पदार्थ का लक्षण वर्णन हमें न केवल सर्वोतम पदार्थ प्राप्त करने की अनुमति देता है बल्कि इसके विकास के दौरान इसकी सीमाओं और बाधाओं को दूर करने की भी अनुमति देता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग में 'स्मार्ट पदार्थों के लिए लक्षण वर्णन तकनीक' का कृषि में उपयोगिता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भौतिकी विज्ञान का हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोल है परंतु कृषि में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पदार्थ विज्ञान, भौतिकी के विशिष्ट क्षेत्र में से एक है जिसका उपयोग पदार्थों के भौतिक गुणों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। एयरस्पेस प्रयोगशाला, बेंगलुरू से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अंजना जैन ने स्मार्ट पदार्थ और उनके उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए पीजो-इलेक्ट्रिक क्रोमो-एक्टिव एवं फोटो-एक्टिव ग्राफीन जैसे नीवल और स्मार्ट पदार्थों का वर्णन किया। अन्य वक्ताओं ने भौतिकी में स्मार्ट पदार्थों को पहचाने और उनके गुणों को बताने के लिए उपकरणों पर विचार विमर्श किया। वक्ताओं के अनुसार स्मार्ट पदार्थों का अनूठी विशेषताओं के कारण इनका इंजीनीयरिंग और चिकित्सा में व्यापक प्रयोग हैं। ये सभी विशेषताएं कृषि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में भी बहुत उपयोगी हैं जिनमें कृषि मौसम विज्ञान, कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान जैव प्रोद्यौगिकी आदि शामिल हैं। आज के युग में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण जहां हमें कृषि उत्पादन बढ़ाना बहुत अनिवार्य है वहीं पर स्मार्ट पदार्थ कृषि उत्पादन में सुधार करने के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 17.1.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-4.....

'किसानों को बताई डेयरी व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं'

व्याख्यान सुनते प्रशिक्षणार्थी।

हिसार, 16 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ।

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के कोऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का आयोजन इंजीनियर अजीत सांगवान के सहयोग से किया जा रहा है। इसके शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) से प्रो. प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरिंग व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यावसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागियों के 2 बैच शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 17.1.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-4.....

डेयरी व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं : प्रो. प्रताप

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के कोर्डिनेटर व प्रशिक्षण आयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का आयोजन इंजीनियर अजीत सांगवान के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय कौल(कैथल) से प्रो. प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरिंग व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यवसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कोरोना महामारी के चलते लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सरप्लस दूध को विभिन्न वैल्यू एडिड दुग्ध उत्पाद (पनीर, योगर्ट, दही, खोया, घी, लस्सी, रायता आदि) में बदल कर अच्छी आय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों द्वारा डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर बल देते हुए सभी प्रकार के रजिस्टरों में उपलब्ध विभिन्न कालम में एंट्री करने का विवरण बताया। इसके अलावा भविष्य की योजना बनाने में, निर्णय लेने में, जिस मद में आय अधिक मिल रही है वहां खर्च में वृद्धि करने में, व्यवसाय में स्ट्रेन्थ व कमजोर बिंदुओं का पता करने में, प्रजनन विवरण पता करने में, सांड का चुनाव करने में, वेक्सीनेशन करने में, पशुओं की कीमत का निर्धारण करने में डेयरी फार्म पर विभिन्न जरूरी रिकार्ड रखने आदि की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के आयोजन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया और आह्वान किया कि यहां से अर्जित ज्ञान का वे अधिक से अधिक लाभ उठाएं। ऑनलाइन प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागियों के दो बैच शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**17.01.2021**	--	--

किसानों को डेयरी व पशुपालन में बताई रोजगार की संभावनाएं

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के कोर्डिनेटर व प्रशिक्षण आयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का आयोजन इंजीनियर अजीत सांगवान के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय कौल(कैथल) से प्रो. प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरिंग व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यवसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने किसानों द्वारा डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर बल देते हुए सभी प्रकार के रजिस्टरों में उपलब्ध विभिन्न कालम में एंट्री करने का विवरण बताया। इसके अलावा भविष्य की योजना बनाने में, निर्णय लेने में, जिस मद में आय अधिक मिल रही है वहां खर्च में वृद्धि करने में, व्यवसाय में स्ट्रेन्थ व कमजोर बिंदुओं का पता करने में, प्रजनन विवरण पता करने में, सांड का चुनाव करने में, वेक्सीनेशन करने में, पशुओं की कीमत का निर्धारण करने में डेयरी फार्म पर विभिन्न जरूरी रिकार्ड रखने आदि की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के आयोजन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**16.01.2021**	---	----

डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर प्रशिक्षण शुरू

हिसार/16 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के कोर्डिनेटर व प्रशिक्षण आयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का आयोजन इंजीनियर अजीत सांगवान के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) से प्रोफेसर प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरिंग व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यवसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कोरोना महामारी के चलते लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सरप्लस दूध को विभिन्न वैल्यू एडिड दुग्ध उत्पाद (पनीर, योगर्ट, दही, खोया, घी, लस्सी, रायता आदि) में बदल कर अच्छी आय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों द्वारा डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर बल देते हुए सभी प्रकार के रजिस्टरों में उपलब्ध विभिन्न कॉलम में एंट्री करने का विवरण बताया। इसके अलावा भविष्य की योजना बनाने में, निर्णय लेने में, जिस मद में आय अधिक मिल रही है वहां खर्च में वृद्धि करने में, व्यवसाय में स्ट्रेन्थ व कमजोर बिंदुओं का पता करने में, प्रजनन विवरण पता करने में, सांड का चुनाव करने में, वैक्सीनेशन करने में, पशुओं की कीमत का निर्धारण करने में डेयरी फार्म पर विभिन्न जरूरी रिकार्ड रखने आदि की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के आयोजन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया और आह्वान किया कि यहां से अर्जित ज्ञान का वे अधिक से अधिक लाभ उठाएं। ऑनलाईन प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागियों के दो बैच शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**17.01.2021**	--	--

किसानों को डेयरी व पशुपालन में बताई रोजगार की संभावनाएं

डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के कोर्डिनेटर व प्रशिक्षण आयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का आयोजन अजीत सांगवान के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) से प्रो. प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरिंग व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यवसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

हिसार। प्रतिभागियों को व्याख्यान देते वक्ता व मौजूद प्रशिक्षणार्थी।

उन्होंने कहा कि इस कोरोना महामारी के चलते लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सरप्लस दूध को विभिन्न वैल्यू एडिड दुग्ध उत्पाद (पनीर, योगर्ट, दही, खोया, घी, लस्सी, रायता आदि में बदल कर अच्छी आय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के आयोजन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया और आह्वान किया कि यहां से अर्जित ज्ञान का वे अधिक से अधिक लाभ उठाएं। ऑनलाइन प्रशिक्षण में 30-30 प्रतिभागियों के दो बैच शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**16.01.2021**	--	--

किसानों को डेयरी व पशुपालन में बताई रोजगार की संभावनाएं

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए शनिवार को डेयरी व पशुपालन व्यवसाय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के कोर्डिनेटर व प्रशिक्षण आयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का आयोजन इंजीनियर अजीत सांगवान के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) से प्रोफेसर प्रताप सिंह पंवार ने किसानों को डेयरिंग व पशुपालन में रोजगार की संभावनाएं और व्यवसायिक अथवा व्यक्तिगत डेयरी फार्म पर विभिन्न डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन व डेयरी व्यवसाय को अपनाकर अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस कोरोना महामारी के चलते लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सरप्लस दूध को विभिन्न वैल्यू एडिड दुग्ध उत्पाद में बदल कर अच्छी आय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने किसानों द्वारा डेयरी रिकॉर्ड रखने के महत्व पर बल देते हुए सभी प्रकार के रजिस्टरों में उपलब्ध विभिन्न कालम में एंट्री करने का विवरण बताया। इसके अलावा भविष्य की योजना बनाने में, निर्णय लेने में, जिस मद में आय अधिक मिल रही है वहां खर्च में वृद्धि करने में, व्यवसाय में स्ट्रेन्थ व कमजोर बिंदुओं का पता करने में, प्रजनन विवरण पता करने में, सांड का चुनाव करने में, वेक्सीनेशन करने में, पशुओं की कीमत का निर्धारण करने में डेयरी फार्म पर विभिन्न जरूरी रिकॉर्ड रखने आदि की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. नरेंद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 18.1.2021......पृष्ठ संख्या......4......कॉलम......1-8......

हिसार कृषि विश्वविद्यालय से परंपरा से खेती से हटकर सीख रहे जैविक खेती के तकनीकी गुर

प्रदीप जांगड़ा

फतेहाबाद। परंपरा से हटकर खेती करने वाले किसान मंगतू राम अब कुछ नया करेंगे। गांव ढाबी कलां के मंगतू राम प्रदेश के चालीस प्रगतिशील किसानों में शामिल किए गए हैं, जिन्हें जैविक खेती की बारीकियां सिखाने के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हिसार में विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दो माह का विशेष प्रशिक्षण 22 जनवरी को पूरा होना है।

प्रशिक्षण में उन्हें जैविक खेती से जुड़े कई तकनीकी गुर सिखाए जा रहे हैं ताकि बागवानी को और बेहतर बनाया जा सके। इनमें मंगतू राम फतेहाबाद जिले के एकमात्र किसान हैं। उन्हें इस आधार पर चुना गया है कि वह किन्नू का उत्पादन कर पहले से लाखों रुपये सालाना कमा रहे हैं। खेती में अनोखे तौर तरीके अपनाने के लिए उन्हें कई बार पुरस्कार भी मिल चुके हैं। मंगतू राम ने वर्ष 2006 में किन्नू उत्पादन शुरू किया था। उन्होंने अपने ताऊ से मिलकर करीब 20 एकड़ में किन्नू का बाग लगाया था। कुछ समय बाद किन्नू के पौधे मुरझाने लगे और खेती घाटे की तरफ जा रही थी। उनके ताऊ ने अपने हिस्से का बाग उखाड़ दिया और दोबारा परंपरागत खेती की तरफ आ गए। मगर मंगतूराम ने हार नहीं मानी और मेहतन जारी रखी। उन्होंने अपने दस एकड़ के बाग के फिर से जिंदा कर दिया। उसके बाद किन्नू का बाग दोबारा हरा भरा हो गया और कमाई बढ़ती गई। बागवानी की उन्नत खेती करने पर प्रदेश सरकार ने उन्हें वर्ष 2016-17 में बागवानी उत्कृष्टता पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अलावा वह गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से भी वर्ष 2013 में सम्मानित हो चुके हैं। (संवाद)

22 जनवरी को पूरा होगा दो माह का प्रशिक्षण, पहले ही कमा रहे लाखों रुपये

मेहनत के दम पर पाया मुकाम, किन्नू की खेती से कमा रहे लाखों

बाग में जैविक विधि से खाद तैयार करते मंगतू राम। संवाद

खर्चा घटाया आमदनी बढ़ी

मंगतू राम ने बताया कि आजकल लोग पेस्टीसाइड व यूरिया रहित फल सब्जियां चाहते हैं। इसके लिए ग्राहक अतिरिक्त रुपये खर्च करने को तैयार है। बाजार के इसी रुख को उन्होंने अपनी आय का आधार बनाया। उन्होंने बाग में पेस्टीसाइड का प्रयोग बिल्कुल बंद कर दिया। वह खर्चा कम हो गया। अब वह जैविक खाद से ही किन्नू उत्पादन करते हैं। इसलिए उनका किन्नू 2-3 रुपये महंगा बिक रहा है। व्यापारी खुद उनके पास चलकर आ रहे हैं। मंगतू राम ने बताया कि वह अपने बाग के लिए हर साल 50 ट्राली गोबर खरीदते हैं, जिससे खाद तैयार करते हैं। फिलहाल वह 10 एकड़ के बाग से हर साल 15 लाख रुपये कमा रहे हैं।

किन्नू को लैब में टेस्ट करवा रहा हूं : मंगतू राम

अब मैंने निर्णय लिया है कि समय-समय पर किन्नू की क्वालिटी लैब से चैक करवाई जाएगी। यदि किन्नू की क्वालिटी में कोई फर्क पाया जाता है तो उसमें सुधार के लिए विशेषज्ञों से राय लूंगा। किन्नू के पेस्टीसाइड रहित होने का लिखित प्रमाण अपने पास रखूंगा। मेरे बाग में तैयार किन्नू स्वास्थ्य वर्धक होना जरूरी समझता हूं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 18.1.2021.....पृष्ठ संख्या.....4.........कॉलम.....1-2.........

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. मदन खिचड़

पाला पड़ने के आसार, सरसों और सब्जियों में करें सिंचाई

तापमान में गिरावट व पाला पड़ने की संभावना को देखते हुए सरसों, सब्जियों विशेषकर आलू, टमाटर, मिर्च, बैंगन और छोटे फलदार पौधों व नर्सरी के बचाव के लिए यदि पानी उपलब्ध हो तो हल्की सिंचाई करें, ताकि जमीन का तापमान बढ़ सके। खेत के किनारे पर और 15 से 20 फीट की दूरी के अंतराल पर जिस और से हवा आ रही है, रात्रि के समय कूड़ा, सूखी घास आदि एकत्रित कर धुआं करना चाहिए, ताकि वातावरण का तापमान बढ़ सके व पाले का हानिकारक प्रभाव न पड़े। नर्सरी को टाट, पॉलीथिन व भूसे से ढकें।

डॉ. मदन खिचड़
अध्यक्ष, कृषि मौसम विज्ञान विभाग, एचएयू